वीर नर्मद द ण गुजरात वि वि ालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमे टर-3 (Revised)

(जून- 2010 -11 एवम् 2011 -12 के शै क वष के लिए)

भाग – २

प -11 भाषा -वि ान **Core Course-07**

तावना- साहि य के गंभीर अ ययन के लिए भाषिक व था का ान अनिवार्य है। भाषा क व तुनि अ ययन णाली के प म भाषिक इकाइय तथा भाषा-संरचना के विभि तर पर उनके अंतःसंबंध के वि यास को भाषा-वि ान आलो कत ही नह करता, वरन् अ येता को भाषिक अंतर्दृ तथा भाषा-विषयक विवेचन के लिए एक भाषा भी दान करता है। भाषा के साहि येतर प के अ ययन म भी भाषा-वि ान क महती भूमिका है।

अ ययन के लिए निर्धा रत ` -

ईकाई-1 भाषा और भाषा -वि ान -भाषा क प रभाषा और अभिल ण,भाषा- व था और भाषा- वहार, भाषा-संरचना और भाषिक - कार्य. भाषा- वि ान- व प एवम् ा , अ ययन क दशाएँ वर्णना मक, ऐतिहासिक और तुलना मक।

ईकाई-2 वन या - वन वि ान का व प और शाखाएँ, वागवयव और उनके कार्य, वन क अवधारणा और वन का वग करण, वनगुण, वनिक प रवर्तन, वनिम वि ान का व प, वनिम क अवधारणा, वनिम के भेद, वनिम वि ेषण।

ईकाई-3 ाकरण- प कया का व प और शाखाएँ, पिम क अवधारणा और भेद-मु -आब , अर्थदश और संबंधदश , संबंधदश पिम के भेद और कार्य. वा य क अवधारणा, अभिहिता वयवाद और अ विताभिधानवाद, वा य के भेद, वा य-वि ेषण, निकट थ-अवयव वि ेषण, गहन-संरचना और बा -संरचना।

ईकाई-4 अर्थवि ान -अर्थ क अवधारणा, श द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता, अर्थ-प रवर्तन। साहि य और भाषा -वि ान -साहि य के अ ययन म भाषा-वि ान के अंग क उपयोगिता।

अंक विभाजनः

3 आलोचना मक - ईकाई -1, 3 और 4 से, एक-एक (52 अंक)

1 ट पणी का- ईकाई -2 से (दो ट पणियाँ) (18 अंक)

संदर्भ पु तक-

1. भाषा-वि ान-डॉ.भोलानाथ तिवारी (कताब महल, इलाहाबाद)
2. भाषा-वि ान क भूमिका-देवे नाथ शर्मा (राधाकृ ण काशन)
3. भाषा-वि ान- यामसुंदर दास (अनु काशन, जयपुर)
4. सामा य भाषा-वि ान-डॉ.बाबूराम स सेना (हंदी साहि य स मेलन, याग)
5. भाषा-वि ान एवम् भाषा-शा -डॉ.कपिलदेव ि वेदी (वि वि ालय काशन, वाराणसी)
6. भाषा-वि ान-सै ांतिक चिंतन- रवी नाथ ीवा तव
7. समसामयिक भाषा- वि ान-डॉ.कविता र तोगी (सुलभ काशन, लखनऊ)
8. भाषा वि ान और हंदी भाषा का व प विकास-डॉ.देवे साद सह (जयभारती काशन, इलाहाबाद)

प - 12 हिंदी साहि य का इतिहास **Core Course-08**

तावना- आठव -नव शता दी से लेकर आज तक के हदी के विकास प रदृ य के साथ उसक सर्जना मकता के विविध प , वृ ि य और भाषा-शैलिय का ान हदी साहि य के इतिहास के ारा ही दया जा सकता है। अतः हदी साहि य के इतिहास का अ ययन सर्वथा यो य एवम् आव यक है।

अ ययन के लिए निर्धा रत ` -

ईकाई-1

1. इतिहास-दर्शन और साहि येतिहास
2. हिंदी साहि य के इतिहास क लेखन परंपरा,आधारभूत साम ी और साहि येतिहास के पुनलखन क सम याएँ।
3. हिंदी साहि य का इतिहास- काल-विभाजन,सीमा-निर्धारण और नामकरण।

ईकाई-2

4. हिंदी साहि य-आ दकाल क पृ भूमि,सि और नाथ साहि य,रासो-का ,जैन-साहि य।
5. हिंदी साहि य के आ दकाल का ऐतिहासिक प रदृ य, साहि यिक वृ ि याँ, का -धाराएँ, ग साहि य, तिनिधि रचनाकार और उनक रचनाएँ।

ईकाई-3

6. भ ि काल क ऐतिहासिक पृ भूमि, सां कृतिक-चेतना एवम् भ ि -आंदोलन, विभि का -धाराएँ तथा उनका वैशि ।
7. मुख निर्गुण संत कवि और उनका अवदान।
8. भारत म सूफ मत का विकास तथा मुख सूफ कवि और का - ंथ,सूफ का म भारतीय सं कृति एवम् लोक-जीवन के त व।
9. राम और कृ ण-का ,राम-कृ ण-का `तर का ,भ ि तर का , मुख कवि और उनका रचनागत वैशि .भ ि कालीन ग -साहि य।

ईकाई-4

10. उ र म यकाल(रीतिकाल)क ऐतिहासिक पृ भूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी सं कृति और ल ण- ंथ क परंपरा, रीति कालीन साहि य क विभि धाराएँ (रीतिब ,रीतिसि और रीतिमु), वृ ि याँ और विशेषताएँ, तिनिधि रचनाकार और रचनाएँ, रीतिकालीन ग साहि य।

अंक विभाजनः

3 आलोचना मक - ईकाई-1-2 से एक और 3 और 4 से एक-एक (52 अंक)

1 ट पणी का- सभी ईकाईय से –(दो ट पणियाँ) (18 अंक)

संदर्भ पु तक-

1. हदी साहि य का आ दकाल-डॉ. हजारी साद ि वेदी (वाणी काशन,इलाहाबाद)
2. हिंदी के विकास म अप ंश का योग-डॉ.नामवर सिह
3. हिंदी साहि य का अतीत-भाग-१-२-आचार्य वि नाथ साद मि (वाणी काशन, द ली)
4. हिंदी साहि य का दूसरा इतिहास-डॉ.ब न सिह
5. हदी साहि य का इतिहास-आचार्य रामचं शु ल (नागरी चा रणी सभा, वाराणसी)
6. हिंदी साहि य का इतिहास डॉ.नगे (नेशनल प लि शग हाउस, नई द ली)
7. आधुनिक साहि य क वृ ि याँ-डॉ.नामवर सह (लोकभारती काशन,इलाहाबाद)
8. हिंदी साहि य-उ व और विकास-डॉ. हजारी साद ि वेदी (राजकमल काशन, नई द ली)
9. हिंदी साहि य का वै ानिक इतिहास-1 डॉ.गणपतिचं गु (लोकभारती काशन,इलाहाबाद)
10. हदी साहि य का आलोचना मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती काशन,इलाहाबाद)
11. हिंदी साहि य क वृ ि याँ-डॉ.जय कशन साद खंडेलवाल (विनोद पु तक मं दर, आगरा)
12. आधुनिक हिंदी साहि य का इतिहास-डॉ.ब न सिह (लोकभारती काशन,इलाहाबाद)
13. हिंदी साहि य का इतिहास-डॉ.ल मीसागर वा णेय (लोकभारती काशन,इलाहाबाद)
14. हिंदी का ग -साहि य-डॉ. रामचं तिवारी

15. हिदी ग   का विकास-डॉ. साद

16. द खिनी साहि य का आलोचना मक इतिहास-डॉ.इकबाल अहमद (लोकभारती   काशन,इलाहाबाद)

17. उर्दू साहि य का आलोचना मक इतिहास- ो.एहतेशाम   सैन

प   -13 भारतीय साहि य **Core Course-09**

तावना- भारतीय भाषा   म हदी सव प र है। इसलिए हदी साहि या ययन को अधिक गंभीर बनाना ज   री है। भारतीय साहि य क   प-रचना के लिए हदी का भारतीय संदर्भ सर्वथा   ासंगिक है। इस दृ से छा   के लिए भारतीय भाषा   के साहि य का   ान अनिवार्य है। इससे उनके   ान एवम् सां कृतिक दृ म अभिवृ होगी।

अ ययन के लिए निर्धा रत े -

ईकाई-1   भारतीय साहि य

1.भारतीय साहि य का   व   प।

2.भारतीय साहि य के अ ययन क सम याएँ।

3. भारतीयता का समाजशा   ।

ईकाई-2 भारतीय साहि य क सम याएँ

4. भारतीय साहि य म आज के भारत का बिब।

5.हिदी साहि य म भारतीय मू य क अभि   ि ।

ईकाई-3 ययाति-वि.स.खांडेकर (मराठी उप यास)

वि.स.खांडेकरः प रचय।

मराठी उप यास साहि य म खांडेकर का   थान।

'ययाति'- च र   के आ मनिवेदन-शैली म लिखा गया उप यास।

'ययाति' क पा -सृ ि।

'ययाति' म कच-देवयानी का असफल े म।

'ययाति' म यति का चतन।

'ययाति' म मंदार क विचार- णाली।

'ययाति' म ययाति-अलका के संबंध।

'ययाति' म कच क कविता।

'ययाति' म लेखक के चतनशील मन क   ाकुलता।

ईकाई-4 गणदेवता-ताराशंकर बंधोपा याय (बंगाली उप यास)

ताराशंकर बंधोपा याय-   ि   व और कृति व।

'गणदेवता' : भारतीय नवजागरण काल का महाका   ा मक उप यास।

'गणदेवता': एक भारतीय उप यास।

'गणदेवता' का के ीय विषय।

'गणदेवता' म चि ि त राजनीतिक चेतना-रा ीय घटनाएँ।

'गणदेवता' के पा - देवनाथ पंडित, छि   पाल,   ा रका चौधरी, शिवशेखर यायर ,अनि   लुहार आ द।

अंक विभाजनः

3 आलोचना मक   - ईकाई-1-2 से एक और 3 और 4 से एक-एक   (52 अंक)

1   ट पणी का- ईकाई- 3 और 4 से –(दोन ईकाईय से एक-एक) (18 अंक)

संदर्भ पु तक-

1. भारतीय साहि य-डॉ.नगे   (भात   काशन, द ली)
2. भारतीय साहि य क भूमिका-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल   काशन, नई द ली)
3. भारतीय उप यास क अवधारणा और रघुवीर चौधरी का सृजन-संपा.आलोक गु   (पा   काशन,   अहमदाबाद)
4. भारतीय साहि यः थापनाएँ और   तावनाएँ-के.स दानंद (राजकमल   काशन, नई द ली)

5. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधे याम शर्मा (गुजरात ंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)
6. भारतीय साहि यः तुलना मक अ ययन-सं.डॉ. जे र वर्मा (विनोद पु तक मं दर, आगरा)
7. भारतीय उप यास परंपरा और ामके ी उप यास- भोलाभाई पटेल (पा काशन, अहमदाबाद)
8. भारतीय साहि य- डॉ.पा डेय-डॉ.अव थी (आशीष काशन, कानपुर)

प - 14 आधुनिक ग साहि य **Elective Course-03**

तावना- आधुनिक काल म ग साहि य के विविध प का विकास इस बात का सा ी है क ौढ मन क पूर्ण अभि ि ग ही म संभव है। निबंध, नाटक, उप यास, कहानी तथा अ य विविध विधा के प म ग साहि य का विकास तेजी से आ है। मनु य को उसक कृति, प रवेश, प रि थिति तथा चतन क विकास या के साथ ामाणिक प म ग के मा यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अ ययन अनिवार्य है।

1. जनमेजय का नागय -जयशंकर साद
2. मैला आँचल-फणी नाथ रेणु (काशक-राजकमल काशन, नई द ली)

अ ययन के लिए निर्धा रत ` -

ईकाई-1 सादयुगीन ना -साहि य।
वातं यो र हदी नाटक- नया नाटक।

ईकाई-2 आँचलिक उप यासः उ व और विकास तथा विशेषताएँ।

ईकाई-3 जनमेजय का नागय ।

नाटककार सादः सामा य प रचय।

'जनमेजय का नागय ': व तु-वि यास।

'जनमेजय का नागय ': म इतिहास और क पना।

'जनमेजय का नागय ': तिपा ।

'जनमेजय का नागय ': ता विक वि ेषण।

ईकाई-4 मैला आँचल

रेणुः साहि यिक प रचय
आँचलिकता और मैला आँचल

'मैला आँचल': कथा-योजना।

'मैला आँचल' क पा -सृि ।

'मैला आँचल' म सामाजिक, राजनीतिक एवम् सां कृतिक-चेतना।

'मैला आँचल' म अभि लोक-सं कृति।

'मैला आँचल' क कथा-भाषा और क सागो शैली।

अंक विभाजनः

3 आलोचना मक -ईकाई1 -2 से एक, ईकाई-3 और 4 से एक-एक से (52 अंक)
1 ट पणी व ससंदर्भ ा या का (हरेक पु तक से एक-एक) ईकाई 3 और 4 पर आधा रत (18 अंक)

संदर्भ पु तक-

1. नाटककार जयशंकर साद-सं.स ये कुमार तनेजा (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
2. साद के नाटक- व प और संरचना-डॉ.गोविद चातक (साहि य भारती, द ली)
3. हदी नाटकः उ व और विकास-डॉ.दशरथ ओझा (राजपाल ए ड स ज़, द ली)
4. हिदी के आँचलिक उप यास-संपा.डॉ.रामदरश मि (वाणी काशन, द ली)
5. आँचलिक उप यास-संवेदना और शि प-डॉ. ानचंद गु (अभिनव काशन, द ली)
6. हिदी उप यास-डॉ.सुरेश सिहा (लोकभारती काशन,इलाहाबाद)
7. आधुनिकता और हिदी उप यास-डॉ.इं नाथ मदान (राजकमल काशन, नई द ली)
8. हिदी उप यास-एक अंतर्या ा-डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन, नई द ली)
9. हिदी नाटक-डॉ.ब न सिह (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)

10. नाटककार जयशंकर साद- सं.स ये कुमार तनेजा (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
11. अठारह उप यास-राजे यादव (राजकमल काशन, नई द ली)

अथवा

प - 14 हिंदी उप यास **Elective Course-03**

तावना- हदी ग विधा म उप यास सबसे अधिक विकसित व लोक य है। आज तो उसने शा का प धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अ ययन अनिवार्य है।

1. मृगनयनी-वृंदावनलाल वर्मा
2. नदी के ीप-अ ेय

अ ययन के लिए निर्धा रत े -

ईकाई-1 वातं यो र ऐतिहासिक उप यास।
ईकाई-2 अंतर्मुखी वैय कता और वातं यो र हदी उप यास।
ईकाई-3 मृगनयनी

वृंदावनलाल वर्माः प रचय

'मृगनयनी' म इतिहास, जन ुति और क पना का योग।

'मृगनयनी': एक ऐतिहासिक उप यास के प म।

'मृगनयनी' म रोमांस

'मृगनयनी': पा , संवाद, वातावरण, भाषा-शैली, उ े य और शीर्षक।

ईकाई-4 नदी के ीप

उप यासकार अ ेयः सामा य प रचय

'नदी के ीप' और अ ति ववाद।

'नदी के ीप': व तु-वि यास।

'नदी के ीप': चार आधुनिक संवेदना का अ ययन।

'नदी के ीप' म ेम-दर्शन।

'नदी के ीप': पा -सृ - चं माधव, भुवन, रेखा और गौरा।

'नदी के ीप': उ े य और शीर्षक।

अंक विभाजनः

3 आलोचना मक -ईकाई1 -2 से एक, ईकाई-3 और 4 से एक-एक से (52 अंक)
1 ट पणी व ससंदर्भ ा या का (हरेक पु तक से एक-एक) ईकाई 3 और 4 पर आधा रत (18 अंक)

संदर्भ पु तक-

1. आज का हिंदी उप यास-डॉ.इं नाथ मदान (राजकमल काशन, नई द ली)
2. हिंदी उप यास-एक अंतर्या ा-डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन, नई द ली)
3. हिंदी उप यास-डॉ.सुषमा धवन (राजकमल काशन, नई द ली)
4. हिंदी उप यास क वृतियाँ-डॉ.शशिभूषण सिहल (विनोद पु तक मं दर, आगरा)
5. हिंदी उप यासः उपल धियाँ-डॉ.ल मीसागर वा णेय (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
6. आधुनिकता और हिंदी उप यास-डॉ.इ नाथ मदान (राजकमल काशन, नई द ली)
7. हदी उप यास का इतिहास-गोपाल राय (राजकमल काशन, नई द ली)
8. वृंदावनलाल वर्मा के उप यास का सां कृतिक अ ययन-डॉ.कृ णा अव थी(पु तक सं थान,कानपुर)
9. अ ेय क उप यास या ा-डॉ.अर वदा न (लोकभारती काशन,इलाहाबाद)
10. अ ेयः एक अ ययन-डॉ.भोलाभाई पटेल (वाणी काशन, द ली)
11. उप यासकार वृंदावनलाल वर्मा-डॉ.शशिभूषण सहल (दनमान काशन, द ली)

लोक-साहि य के संकलन, संपादन, सव ण, काशन ारा ही हम अपनी मूल सं कृति का संर ण कर सकते ह। गुजरात देश भी अपनी सं कृति क विविधता से भरा है। अतः इसक उपयोगिता नि ववाद है।

ईकाई-1 लोक-सं कृतिः अवधारणा, लोक-वार्ता और लोक-सं कृति, लोक-सं कृति और साहि य।
लोक-साहि यः अवधारणा, सं कृत वाङ्गमय म लोको मुखता।
वर्तमान अभिजात साहि य और लोक-साहि य का अंतःसंबंध।
लोक-साहि य का अ य सामाजिक वि ान से संबंध।
भारत म लोक-साहि य के अ ययन का इतिहास।
लोक-साहि य क अ ययन या एवम् संकलन क सम याएँ।

ईकाई-2 लोक-साहि य के मुख प का वग करणः लोक-गीत, लोक-ना , लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नृ य-ना , लोक-संगीत।
लोक-गीतः सं कार-गीत, त-गीत, म-गीत, ऋतु-गीत, जाति-गीत।
लोक-ना : रामलीला, रासलीला, क र्तनियाँ, वाँग, य गान, भवाई संपेडा, विदेसिया, माच, भाँड, तमाशा, नौटंक , जा , कथकली।

ईकाई-3 लोक-कथाः त-कथा, परी-कथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक- ढयाँ अथवा अभि ाय।
लोक-गाथाः ढोलामा , गोपीचंद भरथरी, नल-दमयंती, लैला-मंजनूँ, हीर-राँझा, सोहनी-महीवाल, लो रक-चंदा, आ हा-हरदौल।
लोक-संगीतः लोकवा तथा विशि धून।
लोक-भाषाः लोक-सुभाषित, मुहावरे, कहावत, पहेलियाँ।

ईकाई-4 द ि णी गुजरात क कसी एक बोली के लोक-साहि य का संकलन व अ ययन।

अंक-विभाजन-

2 आलोचना मक -ईकाई-1 और 2 से एक-एक	(35 अंक)
1 ट पणी का-ईकाई- 3 पर आधा रत	(17 अंक)
ायोगिक कार्य - ईकाई-4 के अनुसार	(18 अंक)

संदर्भ पु तक-

1. लोकः परंपरा, पहचान और वाह (राधाकृ ण काशन)
2. रामलीलाः परंपरा और शैलियाँ (राधाकृ ण काशन)
3. भारतीय लोक-साहि य- याम परमार (राजकमल काशन)
4. बेला फूले आधी रात-देवे स याथ
5. भोजपुरी लोक-साहि य का अ ययन-डॉ.कृ णदेव उपा याय
6. लोकसाहि य क भूमिका- डॉ.कृ णदेव उपा याय(साहि य भवन, इलाहाबाद)
7. लोकजीवन और साहि य-डॉ.रामविलास शर्मा (वनोद पु तक मं दर, आगरा)
8. लोक-साहि य और सं कृति- दने र साद (जयभारती काशन, इलाहाबाद)
9. ह रयाणा देश का लोक-साहि य-डॉयशंकरलाल यादव
10. लोक-साहि यःसि ांत और योग-डॉ. ीराम शर्मा
11. गंगाघाटी के गीतःडॉ.हीरालाल तिवारी

M.A. DEGREE COURSE HINDI

3RD SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -11 भाषा -वि ान Core Course-7	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
2	PAPER -12 हिदी साहि य का इतिहास Core Course-8	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
3	PAPER -13 भारतीय साहि य Core Course-9	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
4	PAPER- 14 आधुनिक ग साहि य Elective Course-3	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
5	PAPER- 14 हिदी उप यास Elective Course-3	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
6	PAPER- 15 लोक-साहि य Multi Disciplinary Course-3	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
7	Self Studies, Seminar, Assignments & Tutorials Self Study Course-3	-	-	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	02
8					Total Credits	22

Model Of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of five course in each Semester. Four Hours for each course per week Total teaching hours per week=20				Each Day 5th Hour can be used for seminar/presentation ect.
Tuesday					
Wednes					
Thursday					
Friday					
Saturday	Self Study Course				

वीर नर्मद द ण गुजरात वि वि ालय, सुरत

एम.ए. हिंदी

सेमे टर-4 (Revised)

(जून- 2010 -11 एवम् 2011 -12 के शै क वष के लिए)

भाग – २

प -16 हिंदी भाषा **Core Course-10**

तावना- साहि य के गंभीर अ ययन के लिए भाषिक व था का ान अनिवार्य है। भाषा-वै ानिक आधार पर हंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास- म, भौगोलिक वि तार, भाषिक- व प, विविध पता तथा हंदी म क यूटर सुविधा क जानकारी एवम् देवनागरी लिपि के विकास, वैशि और मानक करण का विवरण हंदी के छा के लिए अ यंत उपयोगी है।

अ ययन के लिए निर्धा रत ` -

ईकाई-1 हिंदी क ऐतिहासिक पृ भूमि

ाचीन भारतीय आर्यभाषाएँ-वै दक तथा लौ कक सं कृत और उनक विशेषताएँ, म यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ- पालि, ाकृत-शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी अप ंश और उनक विशेषताएँ, आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ और
उनका वग करण।

ईकाई-2 हंदी क उपभाषाएँ

हिंदी का भौगोलिक वि तार-हिंदी क उपभाषाएँ, प मी हिंदी, पूव हिंदी, राज थानी, बिहारी तथा पहाडी और उनक बोलियाँ. खडीबोली, ज और अवधी क विशेषताएँ।

ईकाई-3 हिंदी का भाषिक व प

1. हिंदी क वनिम व था, खं , खं ेतर. हिंदी श द रचना- उपसर्ग, यय,समास. परचना- लिंग, वचन और कारक- व था के संदर्भ म हिंदी के सं ा, सर्वनाम, विशेषण और या प. हिंदी वा य-रचना- पद म और अ विति।
2. हिंदी के विविध प-संपर्क-भाषा, रा भाषा, राजभाषा के प म हिंदी, मा यम-भाषा, संचार-भाषा, हिंदी क सांविधानिक ि थिति।

ईकाई-4 हंदी कं यूटीकरण और देवनागरी लिपि

1. हिंदी म कं यूटर सुविधाएँ- आंकडा-संसाधन और श द-संसाधन, वर्तनी-शोधक, मशीनी अनुवाद, हिंदी भाषा-
   शि ण।
2. देवनागरी लिपि-विशेषताएँ और मानक करण।

अंक विभाजनः

3 आलोचना मक - ईकाई -1, 2 और 4 से, एक-एक (52 अंक)
1 ट पणी का- ईकाई -3 से (दो ट पणियाँ) (18 अंक)

संदर्भ पु तक-

1. हिंदी भाषा का उ म और विकास-डॉ.उदयनारायण तिवारी (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
2. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ.भोलानाथ तिवारी (वाणी काशन, द ली)
3. हिंदी भाषा और नागरी लिपि-डॉ.भोलानाथ तिवारी
4. भारतीय आर्यभाषा और हंदी-सुनीतिकुमार चाटु र्या (राजकमल काशन, नई द ली)
5. कं यूटर के भाषिक अनु योग-विजयकुमार म हो ा
6. कं यूटर और हिंदी-डॉ.ह रमोहन
7. राजभाषा हिंदी-डॉ.कैलाशचं भा टया (वाणी काशन, द ली)
8. राजभाषा का व प-कैलाशचं भा टया (वाणी काशन, द ली)
9. आर्य और विड भाषा-प रवार का संबंध-डॉ.रामविलास शर्मा (राजकमल काशन, नई द ली)
10. हिंदी और उसक उपभाषा का व प-अंबा साद सुमन

11. ामीण हिदी-डॉ.धीरे वर्मा
12. पालि भाषा और साहि य-इं चं शा ी
13. अप ंश भाषा और ाकरण-शिवसहाय पाठक

प - 17 हिदी साहि य का इतिहास **Core Course-11**

तावना- आठव -नव शता दी से लेकर आज तक के हदी के विकास प रदृ य के साथ उसक सर्जना मकता के विविध प , वृि य और भाषा-शैलिय का ान हदी साहि य के इतिहास के ारा ही दया जा सकता है। अतः हदी साहि य के इतिहास का अ ययन सर्वथा यो य एवम् आव यक है।

अ ययन के लिए निर्धा रत ` -

ईकाई-1

1. आधुनिक काल क सामाजिक,राजनीतिक, आ थक एवम् सां कृतिक पृ भूमि, सन् १८५७ ई. क राज- ांति और पुनर्जागरण।
2. भारते दु-युग- मुख साहि यकार, रचनाएँ और साहि यिक विशेषताएँ।
3. ि वेदी-युग- मुख साहि यकार,रचनाएँ और साहि यक विशेषताएँ।

ईकाई-2

4. हिदी व छंदतावादी चेतना का अ भि-विकास, छायावादी का - मुख साहि यकार, रचनाएँ और साहि यिक विशेषताएँ।
5. उ र छायावादी का क विविध वृतियाँ- गतिवाद, योगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता. मुख साहि यकार,रचनाएँ और साहि यिक विशेषताएँ।

ईकाई-3

6. हिदी ग क मुख विधा (कहानी, उप यास, नाटक, निबंध, सं मरण, रेखाचि , जीवनी, आ मकथा, रपोर्ताज आ द) का विकास।
7. हिदी आलोचना का उ व और विकास।

ईकाई-4

8. द खनी हिदी साहि य का सं ि प रचय।
9. उर्दू साहि य का सं ि प रचय।
10. हिदीतर ` तथा देशांतर म हिदी भाषा और साहि य।

अंक विभाजनः

3 आलोचना मक - ईकाई-1,2 और 3 से एक-एक (52 अंक)
1 ट पणी का- ईकाई-1,2 और 3 से एक और ईकाई-4 से एक (दो ट पणियाँ) (18 अंक)

संदर्भ पु तक-

1. हदी साहि य का इतिहास-आचार्य रामचं शु ल (नागरी चा रणी सभा, वाराणसी)
2. हिदी साहि य का इतिहास डॉ.नगे (नेशनल प लि शग हाउस, नई द ली)
3. आधुनिक साहि य क वृ ि याँ-डॉ.नामवर सह (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
4. हिदी साहि य-उ व और विकास-डॉ. हजारी साद ि वेदी (राजकमल काशन, नई द ली)
5. हिदी साहि य का वै ानिक इतिहास-2 डॉ.गणपतिचं गु (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
6. हदी साहि य का आलोचना मक इतिहास-डॉ.रामकुमार वर्मा (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
7. हिदी साहि य क वृ ि याँ-डॉ.जय कशन साद खंडेलवाल (विनोद पु तक मं दर, आगरा)
8. आधुनिक हिदी साहि य का इतिहास-डॉ.ब न सिह (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
9. हिदी साहि य का इतिहास-डॉ.ल मीसागर वा णेय (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
10. द खनी हिदी -भाषा और साहि य-डॉ.वी.पी.मुह मद
11. हिदी का ग -साहि य-डॉ. रामचं तिवारी
12. हिदी ग का विकास-डॉ. साद
13. मो रशस म हिदी साहि य का उ व और विकास-डॉ. यामधर तिवारी

14. द खनी साहि य का आलोचना मक इतिहास-डॉ.इकबाल अहमद (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
15. उर्दू साहि य का आलोचना मक इतिहास- ो.एहतेशाम सैन (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)

प -18 भारतीय साहि य **Core Course-12**

तावना- भारतीय भाषा म हदी सव प र है। इसलिए हदी साहि या ययन को अधिक गंभीर बनाना ज री है। भारतीय साहि य क प-रचना के लिए हदी का भारतीय संदर्भ सर्वथा ासंगिक है। इस दृ ि से छा के लिए भारतीय भाषा के साहि य का ान अनिवार्य है। इससे उनके ान एवम् सां कृतिक दृ ि म अभिवृ ि होगी।

1. पाटण का भु व (गुजरात गाथा-3)-कनैयालाल मुंशी (गुजराती उप यास) वाणी काशन, नई द ली, मू य-200
2. ीराधा - रमाकांत रथ (उडिया का) काशक-भारतीय ानपीठ, नई द ली

अ ययन के लिए निर्धा रत ं -

ईकाई-1 1. तुलना मक साहि यः सामा य प रचय।

ईकाई-2 2. गुजराती उप यास साहि य म मुनशी का थान।
3. भारतीय साहि य म राधा-कृ ण का चि ण।

ईकाई-3 पाटण का भु व (गुजरात गाथा-3)-कनैयालाल मुंशी (गुजराती उप यास)

कनैयालाल मुंशी-साहि यिक प रचय।

'पाटण का भु व': एक ऐतिहासिक उप यास।

'पाटण का भु व' म मुनशी क पा ांकन-कला।

'पाटण का भु व'म पा -योजना।

'पाटण का भु व'म संवाद-योजना।

'पाटण का भु व' और रोमांस।

'पाटण का भु व': शीर्षक।

ईकाई-4 ीराधा - रमाकांत रथ (उडिया का)

कवि रमाका त रथ का प रचय।

' ी राधा' का – व प।

' ी राधा' मानवीय अतृ ि और दैवी संप ता के का के प म।

' ी राधा' म चि ित कृ ण का च र ।

' ी राधा' क राधा।

' ीराधा' म अभि राधा क कामना।

' ीराधा' का का -सौ व।

अंक विभाजनः

3 आलोचना मक - ईकाई-1-2 से एक और 3 और 4 से एक-एक (52 अंक)

1 ट पणी का- ईकाई- 3 और 4 से –(दोन ईकाईय से एक-एक) (18 अंक)

संदर्भ पु तक-

1. भारतीय उप यास क अवधारणा और रघुवीर चौधरी का सृजन-संपा.आलोक गु (पा काशन, अहमदाबाद)
2. गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी एवम् राधे याम शर्मा (गुजरात ंथ निर्माण बोर्ड, गांधीनगर)
3. गुजराती नवलकथामां पा -नि पण-रमेश दवे
4. तुलना मक अ ययनः व प और सम याएँ-राजमल बोरा (वाणी काशन, द ली)
5. तुलना मक अ ययनः भारतीय भाषाएँ और साहि य-राजमल बोरा (वाणी काशन, द ली)
6. तुलना मक साहि य-एन.ई.वि नाथ अ यर (भात काशन, द ली)
7.

प - 19 आधुनिक ग साहि य **Elective Course-04**

तावना- आधुनिक काल म ग साहि य के विविध प का विकास इस बात का सा ी है क ौढ मन क पूर्ण अभि ि ग ही म संभव है। निबंध, नाटक, उप यास, कहानी तथा अ य विविध विधा के प म ग साहि य का विकास तेजी से आ है। मनु य को उसक कृति, प रवेश, प रि थति तथा चतन क विकास- या के साथ ामाणिक प म ग के मा यम से ही जाना जा सकता है। अतः इसका अ ययन अनिवार्य है।

1. अ मा कबूतरी-मै ेयी पु पा (काशक-राजकमल काशन, नई द ली)
2. अशोक के फूल-आचार्य हजारी साद ि वेदी (काशक-लोकभारती काशन, इलाहाबाद)

अ ययन के लिए निर्धा रत ` -

ईकाई-1 वातं यो र हदी उप यासः प रवेश और वृ ियाँ।
आँचलिक उप यासः उ व और विकास तथा विशेषताएँ।
समकालीन हदी उप यास और नारी-विमर्श।

ईकाई-2 हदी निबंधः उ व और विकास।
ि वेदीजी का निबंध साहि य तथा वग करण।

ईकाई-3 अ मा कबूतरी
मै ेयी पु पाः साहि यिक प रचय।
'अ मा कबूतरी': क य-योजना।
'अ मा कबूतरी': के ीय विषय।
'अ मा कबूतरी' क अ मा, कदम बाई और भूरी बाई।
आँचलिकता और 'अ मा कबूतरी'।
'अ मा कबूतरी' म नारी संहिता के ति आधुनिक ी का वि ोह।
'अ मा कबूतरी': कथा-शि प और भाषा।

ईकाई-4 अशोक के फूल
'अशोक के फूल' के आधार पर ि वेदी जी के निबंध क विशेषताएँ।
ललित निबंध के प म कसी एक निबंध वि ेषण।
कसी निर्धा रत निहंध के तिपा पर केि त ।
ि वेदीजी क निबंध-शैलीः 'अशोक के फूल' के आधार पर।

अंक विभाजनः
3 आलोचना मक -ईकाई1 -2 से एक, ईकाई-3 और 4 से एक-एक से (52 अंक)
1 ट पणी व ससंदर्भ ा या का (हरेक पु तक से एक-एक) ईकाई 3 और 4 पर आधा रत (18 अंक)

संदर्भ पु तक-

1. हिदी के आँचलिक उप यास-संपा.डॉ.रामदरश मि (वाणी काशन, द ली)
2. दूसरी परंपरा क खोज-डॉ.नामवर सह (राजकमल काशन, द ली)
3. हदी के तिनिधि निबंधकार-डॉ. ा रका साद स सेना (विनोद पु तक मं दर, आगरा)
4. हिदी उप यास-एक अंतर्या ा-डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन, द ली)

अथवा

प - 19 हिदी उप यास **Elective Course-04**

तावना- हदी ग विधा म उप यास सबसे अधिक विकसित व लोकि य है। आज तो उसने शा का प धारण कर लिया है। अतः इस विधा का गहन अ ययन अनिवार्य है।

1. पचपन खंभे लाल दीवार-कृ णा सोबती (राजकमल काशन, नई द ली)

2. कसप-मनोहर याम जोशी (राजकमल काशन, नई द ली)

अ ययन के लिए निर्धा रत ं -

ईकाई-1 वातं यो र हदी उप यासः विकास रेखा।

ईकाई-2 वातं यो र हदी उप यासः कार।

आधुनिकता-बोध और वातं यो र हदी उप यास - ि -के ी उप यास के संदर्भ म।

ईकाई-3 पचपन खंभे लाल दीवार

उषा-ि यंवदाः सामा य प रचय।

'पचपन खंभे लाल दीवार' क मु य सम या।

'पचपन खंभे लाल दीवार' म तीका मकता।

'पचपन खंभे लाल दीवार' क सुषमा।

'पचपन खंभे लाल दीवार' का औप यासिक शि प।

ईकाई-4 कसप

मनोहर याम जोशीः सामा य प रचय।

'कसप': कथानक-योजना।

'कसप': एक आँचलिक उप यास के प म।

'कसप': असफल ेम क कथा।

'कसप': म यवग य जीवन-यथार्थ का ामाणिक द तावेज।

'कसप': पा , संवाद, वातावरण, भाषा, उ ेय और शीर्षक।

'कसप' का शैली-विधान।

अंक विभाजनः

3 आलोचना मक -ईकाई1 -2 से एक, ईकाई-3 और 4 से एक-एक से (52 अंक)

1 ट पणी व ससंदर्भ ा या का (हरेक पु तक से एक-एक) ईकाई 3 और 4 पर आधा रत (18 अंक)

संदर्भ पु तक-

1. आज का हिदी उप यास-डॉ.इं नाथ मदान (राजकमल काशन, नई द ली)
2. हिदी उप यास-एक अंतर्या ा-डॉ.रामदरश मि (राजकमल काशन, नई द ली)
3. हिदी उप यास-डॉ.सुषमा धवन (राजकमल काशन, नई द ली)
4. हिदी उप यास क वृतियाँ-डॉ.शशिभूषण सिहल (विनोद पु तक मं दर, आगरा)
5. हिदी उप यासः उपलि धयाँ-डॉ.ल मीसागर वा णेय (राधाकृ ण काशन, नई द ली)
6. आधुनिकता और हिदी उप यास-डॉ.इ नाथ मदान (राजकमल काशन, नई द ली)
7. हिदी साहि य का वै ानिक इतिहास-डॉ.गणपतिचं गु (लोकभारती काशन, इलाहाबाद)
8. वतं ता परवत हिदी उप यास-डॉ. ेमकुमार (विनोद पु तक मं दर, आगरा)
9. कसपः एक अ ययन-डॉ.उ म पटेल (अमर काशन, मथुरा)

प का रता आज जीवन का अभि अंग बन गई है। अतः इसका अ ययन आज क अनिवार्यता बन गई है।

अ ययन के लिए निर्धा रत ` -

ईकाई-1 वि प का रता का उदय।
भारत म प का रता का ारंभ।

ईकाई-2 समाचारप के विभि तंभ क याजना।
दृ य-साम ी (कार्टून, रेखाचि , गै फ स) क व था और फोटो प का रता।
समाचार के विभि ोत।
संवाददाता क अर्हता, ेणी एवम् कार्य-प ति।
प का रता से संबंधित लेखन-संपादक य, सा ा कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन (फॉलोअप)
आ द क विधि।

ईकाई-3 इलै ॉनिक मीडिया क प का रता-रेडियो, टी.वी., वीडियो, केबल, म टी मीडिया और इंटरनेट क प का रता।
ट प का रता और मु णकला, ूफ शोधन, ले आउट तथा पृ स ा।
प का रता का बंधन- शासनिक व था, बि तथा वितरण व था।

ईकाई-4 मु ेस क अवधारणा।
लोक-संपर्क तथा वि ापन।
सारभारती तथा सूचना ौ ोगिक ।
जातांि क व था म चतुर्थ तंभ के प म प का रता का दायि व।

अंक विभाजन-

3 आलोचना मक – ईकाई-1,2 और 3 से एक-एक (52 अंक)

1 ट पणिय का – ईकाई1-2-3 से एक और ईकाई-4 से एक (दो ट पणियाँ) (18 अंक)

संदर्भ-पु तक-

1. हदी प का रता का बृहद् इतिहास-अर्जुन तिवारी (वाणी काशन)
2. हदी प का रताः व प और संदर्भ-विनोद गोदरे(वाणी काशन)
3. इलै ॉनिक मीडिया-पी.के.आर्य (भात काशन,नई द ली)
4. फ चर लेखनः व प और शि प-डॉ.मनोहर भाकर(राधाकृ ण काशन)
5. समाचार संपादन-कमल दीि त, महेश दर्पण (राधाकृ ण काशन)
6. मीडिया-लेखन-डॉ.चं काश मि (संजय काशन, द ली)
7. दूरदर्शन क भूमिका-सुधीश पचौरी
8. जनसंचार-विविध आयाम- जमोहन गु
9. मीडिया और साहि य-सुधीश पचौरी
10. रेडियो और दूरदर्शन प का रता-डॉ.ह रमोहन
11. प का रताःविविध विधाएँ-डॉ.राजकुमारी रानी (जयभारती काशन, इलाहाबाद)
12. प का रता म अनुवाद क सम याएँ-डॉ.भोलानाथ तिवारी
13. संपादन कला एवम् ूफ पठन-डॉ.ह रमोहन
14. आधुनिक वि ापन और जन संपर्क-डॉ.तारेश भा टया
15. `क के बाद-सुधीश पचौरी
16. प का रताः मिशन से मीडिया तक-अखिलेश मि (राजकमल काशन, द ली)
17. समाचार प बंधन-डॉ.गुलाब कोठारी (राधाकृ ण काशन)
18. हदी प का रता का इतिहास-जगदीश साद चतुवदी (भात काशन,नई द ली)
19. भारतीय इलै ॉनिक मीडिया-देव त सह (भात काशन,नई द ली)
20.जनसंपर्क बंधन- ीमती कुमुद शर्मा (भात काशन,नई द ली)
21. उ र आधुनिक मीडिया तकनीक-हर्षदेव (वाणी काशन)

****

M.A. DEGREE COURSE HINDI

4TH SEMESTER

Sr. No.	Name of Course	Total Marks Ext / Internal	Parsing Standard	Total Teaching Hours	Weekly Teaching Hours	Credits
1	PAPER -16 हिदी भाषा Core Course-10	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
2	PAPER -17 हिदी साहि य का इतिहास Core Course-11	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
3	PAPER -18 भारतीय साहि य Core Course-12	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
4	PAPER- 19 आधुनिक ग साहि य Elective Course-4	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
5	PAPER- 19 हिदी उप यास Elective Course-4	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
6	PAPER- 20 प का रता शि ण Multi Disciplinary Course-4	70+30=100	28+12=40	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	04
7	Self Studies, Seminar, Assignments & Tutorials Self Study Course-4	-	-	15 Weeks × 4 = 60 Hrs	4 Hrs	02
8					Total Credits	22

Model Of Time-Table

Session	1	2	3	4	5
Monday	Class -room teaching of five course in each Semester. Four Hours for each course per week Total teaching hours per week=20				Each Day 5th Hour can be used for seminar/presentation ect.
Tuesday					
Wednes					
Thursday					
Friday					
Saturday	Self Study Course				